(ख) से (घ) सरकारी क्षेत्र के बैको के धोखाधड़ी में लिप्त अपराधी कर्मचारियों के विरूद्ध की गई कार्रवाई से संबंधित यथा उपलब्ध सूचना नीचे दी गई हैं,

		1994	1995	1996
(क)	दोषसिद्ध कर्मचारियों की संख्या	50	33	46
(ख)	बड़े/छोटे दण्ड प्राप्त कर्मचारियों की संख्या	1248	1160	1207
(ग)	पदच्युत/सेवामुक्त/निकाले गए कर्मचारियों की संख्या	360	301	331

विवरण

वर्ष 1994, 1995 और 1996 के दौरान राष्ट्रीयकृत बैंको में पता लगाई गई धोखाधड़ियों की बैंक-वार संख्या

क्र. सं.	बैंक का नाम	धोखाड़ियो की संख्या		
		1994	1995	1996
1.	इलाहाबाद बैंक	39	48	59
2.	आंध्रा बैंक	25	41	37
3.	बैक आफ बड़ौदा	159 15*	114 10*	101
4.	बैंक आफ इंडिया	215 11*	156 04*	158
5.	बैक आफ महाराष्ट्र	50	31	34
6.	केनरा बैंक	217	107	213
7.	सेंट्रल बैंक आफ इंडिया	130	73	142
8.	कार्पोरेशन बैक	38	23	23
9.	देना बैंक	22	14	27
10.	इंडियन बैंक	60	37	34
11.	इंडियन ओवरसीज बैक	71	43	49
12.	ओरियल बैक आफ कामर्स	14	12	30
13.	पंजाब नेशनल बैक	118	56	66
14.	पंजाब एण्ड सिंध बैक	17	17	24
15.	सिंडिकेट बैंक	103	109	154
16.	युनियन बैंक आफ इंडिया	39	59	79
17.	युनाइटेड बैंक आफ इंडिया	43	40	33
18.	यूको बैंक	58	74	39
19.	विजया बैक	32	39	28
	योग	1476	1167	1330

*भारत के बाहर (आंकड़े अनन्तिम)

भारत में सोने की मांग और उत्पादन

690. **प्रो.विजय कुमार मल्होत्रा** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में सोने की अनुमानतः वार्षिक मांग कितनी हैं,

(ख) भारत में सोने का वार्षिक उत्पादन कितना होता हैं,

(ग) भारत में प्रतिवर्ष वैध और अर्वेध रूप से अनुमानतः कितना सोना आयात होता हैं, और

(घ) सरकार सोने की तस्करी रोकने के लिए क्या कदम उठा रही हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज) : (क) भारत में सोन की वार्षिक आवश्यकता तें बारे में सरकारी तौर पर कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं । तथापित एक गैर सरकारी प्रकाश (गोल्ड फील्उ मिनरल सर्विसिस लि., लंदन) द्वारा "गोल्ड 1997" शीर्षक से प्रकाशित पुस्तक में दिए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्षों में भारत में सोनें की वार्षिक मांग के अनुसार इस प्रकार हैं :-

1994	:	369.8 टन
1995	:	426.1 टन
1996	:	454.8 टन

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान भारत में सोन के उत्पादन के वार्षिक आंकड़े नीचे दिये गये हैं :-

वर्ष	उत्पादन (कि.ग्रा. में)
1994-95	2369
1995-96	2036
1996-97	2904

(घ) वैध आयात और अवैध आयात के अनुमानों के ब्यौरे इस प्रकार हैं :-

वर्ष	वैध आयात (टनों में)	अनुमानित अवैध आयात (टनों में)
1994	205	115
1995	278	128
1996	324	109

(घ)क्षेत्रीय कार्यालय सोने की तस्करी सहित सभी प्रकार की तस्करी को रोकने और उसका पता लगाने के

लिए सतर्क हैं । किए गए विशेष उपायों में विशिष्ट आसूचना एकत्र करना, पत्तनों और विमानपत्तनों पर रंगीन असबाब एक्स-रे मशीने लगाने और पात्र यात्रियों को इस कि.ग्रा. सोने के आयात की अनुमति देकर सोने के आयातों को और अधिक उदार बनाना शामिल हैं ।

Revenue collected/Budgeted for 1995-96

691. SHRI S. MUTHU MANI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the total amount of revenue collected during 1995-96 and the budgeted estimates for the same period; and

(b) if there was any deficit between the revenue collected and the revenue estimated during 1995-96, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Budget estimates and amount of revenue collected from major Central Taxes during 1995-96 were as under:—

(Rs. in crores)

	Name of the tax	Revised Budget Estimates	Collection
1	Customs	35352	35502
2	Union Excise	41000	40784
3	Corporation tax	16000	16487
4	Income-tax	15100	"15587

(b) Does not arise.

Disparity in Tax Rates among States

692. SHRI BHAGABAN MAJHI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the growing disparity in tax rates among States;

(b) if so, the steps taken by Government to remove this disparity; and

(c) the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) A meeting of the Finance Minister of all States and Union Territories was convened by the Union Finance Minister or 4th July, 1997 to discuss the Report of the Group of Officials and Experts on Taxation of Inter-State Sales and the Report of Committee of State Finance Ministers on Stamp Duty Reforms. There was general consensus on the imperatives of reforming the Central Sales Tax and Stamp Duty and introduction of VAT.

Nationalised Banks involved in CRB Scam

693. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJI-RAO SHINDE:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) which nationalised banks have been found to have fallen prey to the CRB Scam;

(b) to what extent, indicating the amount of money swindled from each bank and the mode adopted by CRB and bank management for the purpose; and

(c) what steps have since been taken to recover the money?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) and (b) CRB Capital Markets Ltd. (CRBCML) was granted a facility, by the Mumbai Main Branch of State Bank of India, of encashment at par, of warrants issued by the company in repayment of fixed deposits, interest payable thereon and brokerage warrants at all branches of State Bank of India. The company had agreed, *inter-alia,* to prefund the relative accounts ensuring that the accounts have sufficient balance when the warrants were presented for payment. However, the company fraudulently overdrew the account by an amount of over Rs. 58 crores (provisional). The company has also overdrawn its interest warrant account and brokerage warrant account with the Capital Markets Division, Mumbai Main Office of Bank of Baroda by about Rs. 1.90 crores (provisional). The company also enjoyed credit